भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 558
दिनांक 06 फरवरी, 2025

कर्नाटक के उदुपी में सीएनजी की कमी

†558. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कर्नाटक के उदुपी जिले में सीएनजी की कमी है, जिसके कारण ऑटो-रिक्शा चालकों को सीएनजी पंपों के सामने लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने उक्त मुद्दे के समाधान के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त जिले में सीएनजी की सीधी आपूर्ति की सुविधा प्रदान करने के लिए सीएनजी पाइपलाइन संबंधी समस्याओं का समाधान कब तक किए जाने की संभावना है; और

(घ) क्या उदुपी जिले में सीधी पाइपलाइनों के माध्यम से पंपों तक पर्याप्त सीएनजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ): संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) स्टेशनों की स्थापना करना नगर गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के विकास का भाग है और यह काम पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा उनके न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्लयूपी) के आधार पर प्राधिकृत सीजीडी कंपनियों द्वारा किया जा रहा है जिसमें पीएनजी (घरेलू) और सीएनजी (परिवहन) की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन अवसंरचना और अन्य सुविधाओं का निर्माण शामिल है। उडुपी जिला भौगोलिक क्षेत्र (जीए) को सीजीडी नेटवर्क के विकास के लिए अदानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) को प्राधिकृत किया गया है। कंपनियों के लिए एमडब्ल्यूपी लक्ष्य वर्ष 2030 तक जीए में 11 सीएनजी स्टेशन स्थापित करना है। दिनांक 30.11.2024 की स्थिति के अनुसार, 3 सीएनजी स्टेशन स्थापित करने के आनुपातिक लक्ष्य के सापेक्ष, कंपनी ने उडुपी जिले के जीए में 10 सीएनजी स्टेशन स्थापित किए हैं।

पीएनजीआरबी के अनुसार, एटीजीएल ने मेसर्स कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी के साथ लंबे समय से लंबित अनुमति मुद्दे के कारण गेल की कोच्चि-कूट्टनद-बैंगलोर-मैंगलोर प्राकृतिक गैस ट्रंक पाइपलाइन के साथ पनाम्बुर, मैंगलोर में अपने नगर गैस स्टेशन (सीजीएस) की कनेक्टिविटी में देरी के बारे में सूचित किया है। इसके अलावा, एटीजीएल ने यह भी सूचित किया है कि पाइपलाइन कनेक्टिविटी की कमी के कारण, वे समीपवर्ती जीए से कैस्केड के माध्यम से इस मांग को पूरा कर रहे हैं और उन्होंने अपनी कैस्केड क्षमता भी बढ़ा दी है।

****